संपादन सलाहकार

डॉ. मीरा पाण्डेय

रश्मिलता मिश्रा

डॉ. राधा वाल्मीकि

डॉ. शमा पाण्डेय

पम्मी सडाना

डॉ. नीलम रावत

डॉ. भारती वर्मा बौड़ाई

डॉ. ललिता रेंगर

विशेष संपादक

अनिता मंदिलवार

आशा पाण्डेय

पूनम दुबे

मन्शा शुक्ला

संपादक मंडल के सदस्य

ज्योति अग्निहोत्री

निशा सिम्मी

डॉ. गीता कुमारी

मधुमिता घोष

भारत की हिन्दी कवयित्रियाँ (खण्ड-1) ★ प्रधान संपादक राघवेन्द्र ठाकुर

भारत की हिन्दी कवयित्रियाँ

प्रधान संपादक

राघवेन्द्र ठाकुर

Scanned by CamScanner

नोट : पुस्तक में प्रकाशित रचनाकारों के विचार उनके अपने हैं। सम्पादक मंडल/प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। सम्पादक मंडल के सभी पद अवैतनिक एवं अस्थायी हैं। पुस्तक में प्रकाशन/सम्पादन से संबंधित किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।

ISBN	:	**978-93-82340-50-8**
©	:	प्रकाशक
प्रथम संस्करण	:	2021
प्रकाशक	:	जे एम डी पब्लिकेशन आर. जैड. 722, गली नं. 4 सागरपुर, नई दिल्ली-110046
फोन (वॉट्स एप)	:	09213341911, 09540866532
मुद्रक	:	विनय ग्रैफिक्स
आवरण	:	मनोज कुमार
शब्द संयोजक	:	अलका रावत
मूल्य	:	रु. 450/- मात्र

आपके लिए

'विश्व हिन्दी लेखिका मंच' द्वारा राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु संचालित 'रचनाकार प्रोत्साहन योजना' के अन्तर्गत प्रकाशित महत्वपूर्ण पुस्तकों की प्रकाशन श्रृंखला की अगली कड़ी के रूप में प्रकाशित पुस्तक 'भारत की हिन्दी कवयित्रियां' आपके सम्मुख है।

राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के अपने मूल उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमने प्रस्तुत पुस्तक 'भारत की हिन्दी कवयित्रियां' में देश की चयनित 51 हिन्दी कवयित्रियों की रचनाएँ, सचित्र जीवन परिचय के साथ प्रकाशित की हैं।

मंच की योजनानुसार महिला रचनाकारों के प्रोत्साहन हेतु संचालित 'सम्मान योजना' के अन्तर्गत पुस्तक में प्रकाशित समस्त रचनाकारों को मंच द्वारा सम्मानित किया जाता है।

'विश्व हिन्दी रचनाकार मंच' द्वारा संचालित राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार-प्रसार योजना के अन्तर्गत प्रकाशनाधीन पुस्तकें-

1. भारत माता की जय
2. भारत के महिला काव्य रत्न
3. भारत के हिन्दी रत्न

अंत में मैं पुस्तक में प्रकाशित समस्त रचनाकारों, संपादक मंडल के सदस्यों का हृदय से आभारी हूँ जिनके सहयोग के बिना हमारे लिए राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के अपने मूल उद्देश्य को प्राप्त करना संभव नहीं है। भविष्य में भी हमें आपसे इसी प्रकार का सहयोग मिलता रहेगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

इसी विश्वास के साथ

राघवेन्द्र ठाकुर
प्रधान संपादक
संस्थापक एवं संचालक
विश्व हिन्दी लेखिका मंच
विश्व हिन्दी रचनाकार मंच

Scanned by CamScanner

अनुक्रम

सम्पादक मण्डल के सदस्य

(भाग-1)

1.	डॉ मीरा पाण्डेय	थाणे (महाराष्ट्र)	7
2.	रश्मिलता मिश्रा	बिलासपुर (छत्तीसगढ़)	11
3.	डॉ राधा वाल्मीकि	पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड)	15
4.	डॉ क्षमा पाण्डेय	भोपाल (मध्य प्रदेश)	19
5.	पम्मी सडाना	आगरा (उत्तर प्रदेश)	23
6.	डॉ नीलम रावत	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	27
7.	डॉ भारती वर्मा बौड़ाई	देहरादून (उत्तराखण्ड)	31
8.	डॉ ललिता सेंगर	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	35
9.	अनिता मंदिलवार	सरगुजा (छत्तीसगढ़)	39
10.	आशा पाण्डेय	सरगुजा (छत्तीसगढ़)	43
11.	पूनम दुबे	अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़)	47
12.	मन्शा शुक्ला	अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़)	51
13.	ज्योति अग्निहोत्री	इटावा (उत्तर प्रदेश)	55
14.	निशा सिम्मी	साहेबगंज (झारखण्ड)	59
15.	डॉ नीता कुमारी	पलामू (झारखण्ड)	63
16.	मधुमिता घोष	बलरामपुर (छत्तीसगढ़)	67

(भाग-2)

17.	डॉ अरुणा अंचल	रोहतक (हरियाणा)	69
18.	अनुराधा अच्छवान	(दिल्ली)	73
19.	अभिलाषा मिश्रा	शिवहर (बिहार)	77
20.	अलका अग्रवाल	आगरा (उत्तर प्रदेश)	81
21.	अरुणिमा सक्सेना	प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश)	85
22.	आरशी अंजुम	प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश)	89
23.	इला सागर रस्तोगी	मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश)	93

Scanned by CamScanner

24. ऐश्वर्या सिन्हा	जौनपुर (उत्तर प्रदेश)	97
25. डॉ कोयल विश्वास	बंगलौर (कर्नाटक)	101
26. गरिमा शर्मा 'गीतांजलि'	सीहोर (मध्य प्रदेश)	105
27. गीतांजली वार्ष्णेय	आंवला (उत्तर प्रदेश)	109
28. चंचल वशिष्ट	(दिल्ली)	113
29. नीलिमा कालरा	अलवर (राजस्थान)	117
30. प्रज्ञा आनंद राय	कल्याण (महाराष्ट्र)	121
31. प्रीति डिमरी	देहरादून (उत्तराखण्ड)	125
32. डॉ भावना सावलिया	राजकोट (गुजरात)	129
33. भावना ठाकर	बंगलौर (कर्नाटक)	133
34. डॉ मधुछंदा चक्रवर्ती	बंगलौर (कर्नाटक)	137
35. मृदुला	रांची (झारखण्ड)	141
36. माधुरी सोनी 'मधुकुंज'	अलीराजपुर (मध्य प्रदेश)	145
37. यशोधरा भटनागर	देवास (मध्य प्रदेश)	149
38. रश्मि वर्मा	दरभंगा (बिहार)	153
39. रागिनी उपलपवार	भोपाल (मध्य प्रदेश)	157
40. डॉ विभाषा मिश्र	रायपुर (छत्तीसगढ़)	161
41. विजया भार्गव	मुंबई (महाराष्ट्र)	165
42. श्रद्धा परमार	भोपाल (मध्य प्रदेश)	169
43. स्नेहलता द्विवेदी 'आर्या'	कटिहार (बिहार)	173
44. सविता बरई 'वीणा'	सरगुजा (छत्तीसगढ़)	177
45. संगीता अग्रवाल	आगरा (उत्तर प्रदेश)	181
46. संगीता पाटीदार	भोपाल (मध्य प्रदेश)	185
47. डॉ संगीता पाण्डेय 'रानू'	सरगुजा (छत्तीसगढ़)	189
48. सावित्री मिश्रा	झारसुगुडा (उड़ीसा)	193
49. सीमा मिश्रा	सागर (मध्य प्रदेश)	197
50. सुमन शास्त्री	वनस्थली, टोंक (राजस्थान)	201
51. सुष्मिता मिश्रा	प्रयाग (उत्तर प्रदेश)	205

Scanned by CamScanner

डॉ भावना सावलिया

जीवन परिचय

पिता	:	नानजी भाई टपूभाई सवालिया
जन्म एवं स्थान	:	03.04.1973, हरमडिया (गुजरात)
शिक्षा	:	एम.ए, एम.फिल., पीएच.डी.
संप्रति	:	महाविद्यालय में अध्यापन
प्रकाशन विवरण	:	काव्य संग्रह 'कविता सागर' प्रकाशित, पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित।
सम्मान	:	विश्व हिन्दी लेखिका मंच द्वारा 'श्रेष्ठ कवयित्री सम्मान' एवं अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित।
अन्य	:	अनेक संस्थाओं से संबंद्ध।
सम्पर्क	:	हरमडिया, ता.-गोंडल जिला-राजकोट (गुजरात)

Scanned by CamScanner

भाई दूज

सृष्टि पर सर्व श्रेष्ठ है पवित्र बंधन।
भाई दूज का अनूठा प्रकाश पर्व।
संसार में चाहे सर्वत्र हम घूम लें
नहीं मिलेगा ऐसा कहीं अन्यत्र पर्व।
भाई दूज जीवन का अनमोल रत्न है
बहन, भाई की खुशियों की धड़कन है।
भाई, बहन के जीवन का चाँद-सितारा है
बहन, भाई की खुशियों की बहती धारा है।
बहन, भाई के मंगल भाग्य का कुमकुम है
भाई, बहन की सुख-समृद्धि का धन है।
बहन, भाई को करती है प्रेम का तिलक
मंगल आरती से सजता भाई का जीवन।
प्रेम से खिलाती है भाई को मधुर भोजन
स्नेह से पुलकित होता है सारा तन-मन।
दिल का दीपक होता है प्रेम से प्रदीप्त।
होता है मानो सारा जीवन पथ आलोकित।
भाई, बहन का है अटूट पवित्र बंधन
युग-युग से होता रहेगा यह पवित्र बंधन।
यमराज-यमुना सा बरसता रहेगा स्नेह
युगों तक भाई, बहन का पनपता रहेगा नेह।

Scanned by CamScanner

दीप ज्योति नमस्तुते

दीप ज्योति तू ही स्वयं प्रकाशित
जगत के तिमिर को हरने वाले हो।

दीप ज्योति तू ही स्नेह का कलश
संसार के द्वेष को पीने वाले हो।

दीप ज्योति तू ही ज्ञान प्रकाश पुँज
अज्ञानता को दूर करने वाले हो।

दीप ज्योति तू ही हृदय कमल दीप
अमृत प्रेम रस को पिलाने वाले हो।

दीप ज्योति तू ही परम ब्रह्म स्वरूपा
अहं ब्रह्मास्मि का ज्ञान भरने वाले हो।

Scanned by CamScanner

अन्नदाता

अवनी पर का जीवनांत अन्नदाता
कठिन परिश्रम का जीवन दाता।
खेत-खलिहान तेरा जीवन तर्पण
फसल उपहार समाज को समर्पण।
आठों प्रहर हो प्रकृति का साथी
सुख-दुख में तू अपनों का साथी।
आँधी-तूफान सीने में धरता
ठंड-धूप, बारिश को गले लगाता।
तेरे भाल का तिलक खेत की मिट्टी
धूल पसीने से मिश्रित तन की मिट्टी।
परिश्रम के स्वेद देह की शोभा
किसानों की हो अनेरी आभा।
दिल में थामे दरिद्रता की हूक
कभी नहीं खोला अपना मुख।
बाहों में कर्म, मन में प्रभु प्रीत
जीवन किया संसार को समर्पित।
सुख-समृद्धि को त्यागकर
संसार का तू है पालनहार।
तपस्वी से बढ़कर है तप धन
साधु-सन्यासी से उम्दा जीवन।
जियो और जीने दो का है संस्कार।
अन्नदाता से ही जीवित है संसार।

Scanned by CamScanner